Code–MPI-C 103
M.A. SEMESTER-I
Examination-2021
Subject : Philosophy
Paper Name- Indian Linguistic Philosophy (भारतीय भाषा दर्शन)

Maximum marks:70
Pass Percentage: 40%

Time : Three Hours

नोट– प्रश्नपत्र के दो भाग है 'ए' तथा 'बी'। निर्देशानुसार दोनों भाग कीजिए।

(सेक्शन–ए)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही पाँच प्रश्नों के प्रति प्रश्न उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है। (5X6=30 अंक)

1. भाषा की उत्पत्ति के दैवी सिद्धान्त को लिखिए।
2. भाषा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
3. अर्थ की समस्या के अन्तर्गत व्यक्तिवाद को स्पष्ट कीजिए।
4. जातिवाद पर प्रकाश डालिए।
5. स्फोट वाद के विरूद्ध तर्क प्रस्तुत कीजिए।
6. शाब्दबोध से क्या तात्पर्य है?
7. वाक्यार्थज्ञान में हेतु 'योग्यता' से आप क्या समझते हैं?
8. वाक्यार्थज्ञान में हेतु 'सन्निधि' से क्या तात्पर्य है।
9. शब्द की शक्ति ''अभिधा'' से आप क्या समझते हैं?
10. व्यंजना वृत्ति से क्या तात्पर्य है?

(सेक्शन–बी)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर विस्तृत रूप से दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। (4X10=40 अंक)

11. भाषा के प्रमुख भेदों का वर्णन कीजिए।
12. भाषा का तत्त्वमीमांसीय आधार 'शब्दब्रह्मवाद' की विस्तार से व्याख्या कीजिए।
13. अपोहवाद से आप क्या समझते है? विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
14. महर्षि पतंजलि के अनुसार 'स्फोट वाद' की व्याख्या कीजिए।
15. अन्विताभिधानवाद और अभिहितान्वयवाद से आप क्या समझते हैं?
16. आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि और तात्पर्यज्ञान को स्पष्ट कीजिए।
17. शब्द की शक्तियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
18. 'शक्तिग्रहोपाय से क्या तात्पर्य है? व्याख्या कीजिए।